भारत सरकार
संचार मंत्रालय
दूरसंचार विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1292
उत्तर देने की तारीख 30 जुलाई, 2026

आपातकालीन अलर्ट का प्रसार

1292 # **श्री शिवेश कुमार:**
श्री विजय चिंताकायला:
श्रीमती रेखा शर्मा:
डा. संदीप कुमार पाठक:
श्री नरेश बंसल:
श्री राजीब भट्टाचार्जी:
श्री अमर पाल मौर्य:
श्री सुभाष बराला:

क्या **संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः
(क) स्वदेशी सेल ब्रॉडकास्ट सिस्टम (सीबीएस) के माध्यम से भू-स्थान आधारित आपातकालीन अलर्ट के प्रसार के लिए विकसित की गई रूपरेखा का ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या मंत्रालय ने सेल ब्रॉडकास्टिंग सिस्टम का देशव्यापी परीक्षण पूरा कर लिया है;
(ग) यदि हाँ, तो तत्संबंधी परिणाम क्या है; और
(घ) आपातकालीन अलर्ट के समय पर प्रसार के लिए दूरसंचार सेवा प्रदाताओं और आपदा प्रबंधन एजेंसियों के बीच समन्वय में सुधार हेतु की गई पहलों का तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
संचार एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री
(डॉ. पेम्मासानी चंद्र शेखर)

(क) से (घ) सी-डॉट ने एक स्वदेशी सेल ब्रॉडकास्ट सिस्टम (सीबीएस) विकसित किया है, जो प्राधिकृत सरकारी एजेंसियों को प्रभावित क्षेत्र में मौजूद सभी मोबाइल डिवाइस पर आपातकालीन अलर्ट प्रसारण की सुविधा प्रदान करता है। इसे मोबाइल फोन पर

आपदा की चेतावनी और आपातकालीन अलर्ट भेजने के लिए सभी 36 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में सभी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं द्वारा कार्यान्वित किया गया है।

इसे नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट ऑथोरिटी (एनडीएमए) के तहत नेशनल कॉमन अलर्टिंग प्रोटोकॉल (सीएपी) आधारित डिज़ास्टर अलर्टिंग प्लेटफ़ॉर्म "सचेत" के साथ जोड़ा गया है जिससे एसडीएमए, सचेत प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग करके सेल ब्रॉडकास्ट अलर्ट भेज सकते है और निगरानी भी कर सकते हैं।

देश भर में बड़े पैमाने पर परीक्षण के बाद, इस सिस्टम का दिनांक 2 मई, 2026 को माननीय संचार मंत्री द्वारा पूरे देश में शुभारंभ किया गया।

एनडीएमए के मानक प्रचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार, सभी एसडीएमए के ऑनबोर्डिंग और प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग करते हुए सेल ब्रॉडकास्ट प्रौद्योगिकी के माध्यम से अलर्ट भेजने के ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित किए गए हैं।

****